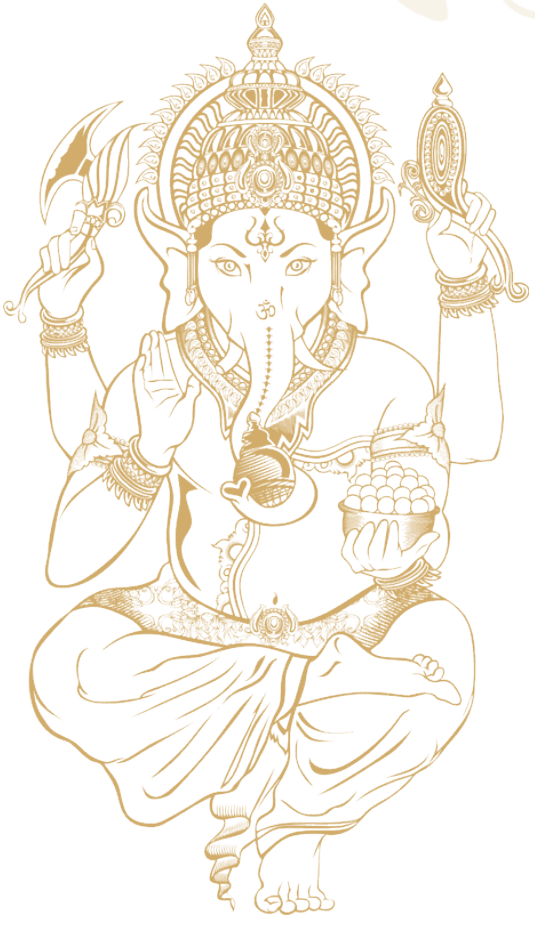

Mr.

05 Sep 2025

10:55 AM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 119352402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/09/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:55:00 घंटे**
इष्ट	12:19:51 घटी
स्थान	**Gwalior**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:12:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:37:36 घंटे
वेलान्तर	00:01:18 घंटे
साम्पातिक काल	09:35:54 घंटे
सूर्योदय	05:59:03 घंटे
सूर्यास्त	18:32:33 घंटे
दिनमान	12:33:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:42:17 सिंह
लग्न के अंश	23:30:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:30:29	311:56:31	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			सिंह	18:42:17	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	16:11:33	13:22:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	24:26:58	00:39:13	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	10:55:31	01:56:17	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:24:02	00:10:23	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	18:25:35	01:12:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:30:26	00:04:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:07:55	00:00:30	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:07:55	00:00:30	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:14:47	00:00:03	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:02:13	00:01:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:29:13	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	27:23:08	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

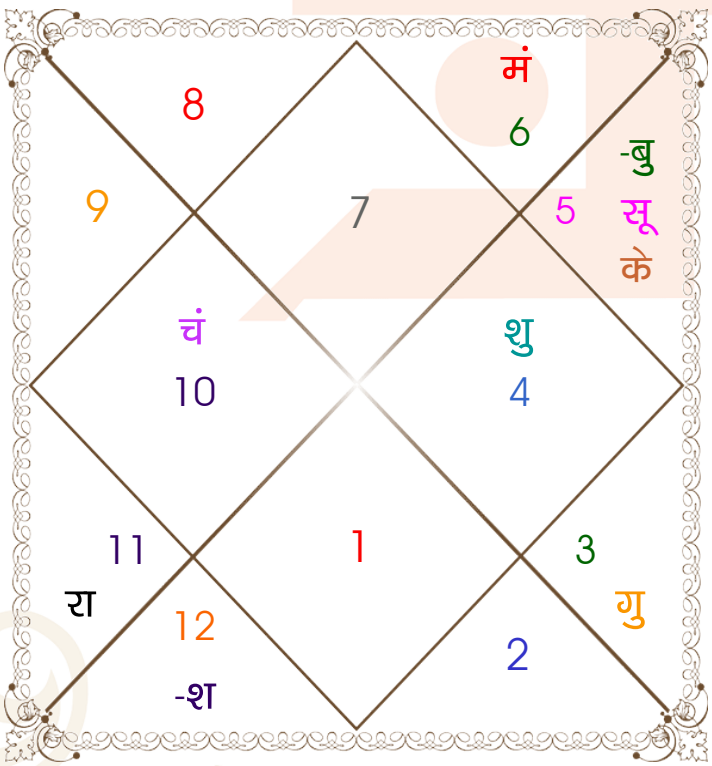

चन्द्र कुंडली

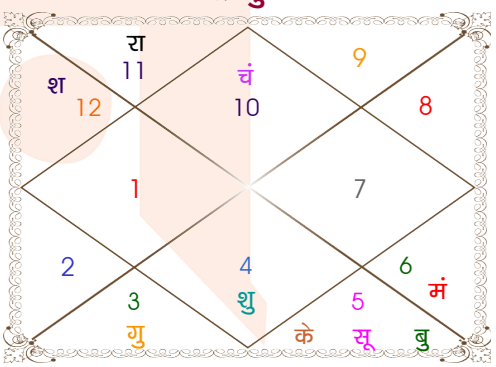

नवमांश कुंडली

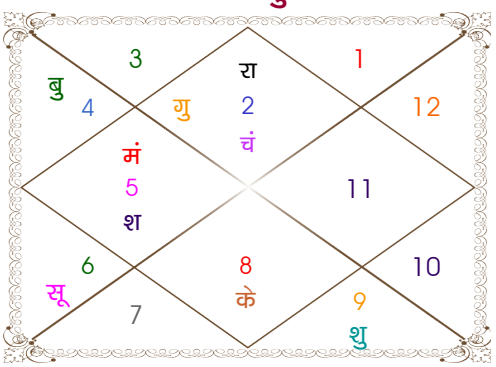

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 4 मास 8 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/09/2025		13/01/2031		13/01/2038		13/01/2056		13/01/2072	
13/01/2031		13/01/2038		13/01/2056		13/01/2072		13/01/2091	
	00/00/0000	मंगल	11/06/2031	राहु	25/09/2040	गुरु	03/03/2058	शनि	16/01/2075
	00/00/0000	राहु	29/06/2032	गुरु	19/02/2043	शनि	13/09/2060	बुध	25/09/2077
	00/00/0000	गुरु	05/06/2033	शनि	26/12/2045	बुध	20/12/2062	केतु	04/11/2078
	05/09/2025	शनि	14/07/2034	बुध	14/07/2048	केतु	26/11/2063	शुक्र	04/01/2082
शनि	13/11/2026	बुध	12/07/2035	केतु	01/08/2049	शुक्र	27/07/2066	सूर्य	17/12/2082
बुध	14/04/2028	केतु	08/12/2035	शुक्र	01/08/2052	सूर्य	15/05/2067	चंद्र	17/07/2084
केतु	13/11/2028	शुक्र	06/02/2037	सूर्य	26/06/2053	चंद्र	13/09/2068	मंगल	26/08/2085
शुक्र	14/07/2030	सूर्य	14/06/2037	चंद्र	26/12/2054	मंगल	20/08/2069	राहु	02/07/2088
सूर्य	13/01/2031	चंद्र	13/01/2038	मंगल	13/01/2056	राहु	13/01/2072	गुरु	13/01/2091

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
13/01/2091		14/01/2108		14/01/2115		14/01/2135		14/01/2141	
14/01/2108		14/01/2115		14/01/2135		14/01/2141		00/00/0000	
बुध	11/06/2093	केतु	11/06/2108	शुक्र	16/05/2118	सूर्य	04/05/2135	चंद्र	14/11/2141
केतु	08/06/2094	शुक्र	12/08/2109	सूर्य	16/05/2119	चंद्र	02/11/2135	मंगल	15/06/2142
शुक्र	08/04/2097	सूर्य	17/12/2109	चंद्र	14/01/2121	मंगल	09/03/2136	राहु	15/12/2143
सूर्य	12/02/2098	चंद्र	18/07/2110	मंगल	16/03/2122	राहु	01/02/2137	गुरु	15/04/2145
चंद्र	15/07/2099	मंगल	15/12/2110	राहु	15/03/2125	गुरु	20/11/2137	शनि	06/09/2145
मंगल	12/07/2100	राहु	02/01/2112	गुरु	14/11/2127	शनि	02/11/2138		00/00/0000
राहु	29/01/2103	गुरु	08/12/2112	शनि	14/01/2131	बुध	08/09/2139		00/00/0000
गुरु	06/05/2105	शनि	17/01/2114	बुध	14/11/2133	केतु	14/01/2140		00/00/0000
शनि	14/01/2108	बुध	14/01/2115	केतु	14/01/2135	शुक्र	14/01/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।